राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 2 ग्रगस्त, 1995

क्रमांकः 1817-ज-2-95/11519 --श्री राम प्रशाद, पुत्र श्री कुरड़ा राम, निवासी गांव ग्रहरोद, (ग्रव बलवाड़ी), तहसील रेवाड़ी जिला रेवाड़ी, को पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार श्रविनियम, 1948 की प्रारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के भवीन सरकार ि ग्रविस्चना क्रमांक 6-ज-11-71/23829, दिनांक 19 ग्रगस्त, 1971 द्वारा 100 रुपये वार्षिक भौर वाद में ग्रविस्चना क्रमांक 5041-ग्रार-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके वाद ग्रविस्चना क्रमांक 1789-ज-1-44040, दिनांक 30 शक्तुबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. भ्रम श्री राम प्रशाद की दिनांक 25 जून, 1993 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल अपरोक्त मधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भ्रापनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग रित हुए इस जानीर को श्री राम प्रशाद की विधवा श्रोमती मनकोरी देवी के नाम रवी, 1994 से 1,000 रुपये वाचिका ी दर से सनद में दी गई शतों के भन्तगंत तबदील करते हैं।

दिनांक 9 ग्रगस्त, 1995

श्वमांक 1877-ज-2-95/11959. —श्री जाहर सिंह, पुत्र श्री डेंडराज, निवासी गांव मनेटी, तहसील रेवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ (अब रेवाड़ी) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा $2(\mathbf{v})$ (1ए) तथा $3(1\mathbf{v})$ के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 929-ज-1-74/15965, दिनांक 6 जून, 1974 द्वारा 150 रुपयं वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 शक्तूवर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये बार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. प्रव श्री जाहर सिंड, की दिनांक 4 श्रवत्वर, 1994 को हुई भृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, जिपरोक्त प्रधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है घोर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री जाहर सिंह की विधवा श्रीमती मनभावती के नाम खरीफ, 1995 से 1,000 रुपये वाजिक की दर से सनद में दी गई करों के धन्तगंत तबदील करते हैं।

जी० डी० सैनी,

श्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।

LATE NOTIFICATION